<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 2231

02 दिसंबर, 2019 को उत्तर के लिए

स्टील स्क्रैप

2231. श्री प्रतापराव जाधव:

श्री सुधीर गुप्ताः

श्री विद्युत बरन महतोः

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः

श्री गजानन कीर्तिकरः

श्री मोहनभाई कुंडारियाः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अगले दशक के लिए इस्पात की मांग और उत्पादन के स्तर का आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्य योजना शुरू की गई है; और

(ख) देश में इस्पात स्क्रैप आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री (श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क): राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 के अनुसार देश में अनुमानित क्रूड इस्पात मांग/उत्पादन 255 एमटीपीए होने की संभावना है और कुल घरेलू फिनिश्ड इस्पात मांग/उत्पादन वर्ष 2030-31 तक 230 एमटीपीए हो जायेगी। सरकार ने घरेलू इस्पात क्षेत्र के दीर्घावधि विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 को अधिसूचित किया है।

(ख): इस्पात मंत्रालय द्वारा इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति को दिनांक 07.11.2019 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया जो इस्पात स्क्रैप के आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने के लिये सुनियोजित और पर्यावरण अनुकूल तरीके से विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने वाले फैरस स्क्रैप के वैज्ञानिक प्रसंस्करण एवं पुनर्चक्रण हेतु स्क्रैपिंग केंद्रों की स्थापना को प्रोत्साहित करने और सुविधाजनक बनाने के लिये एक रूपरेखा तैयार करती है।

****